कुशल कुमार दास

अकादेमी पुरस्कार:
हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)

KUSHAL KUMAR DAS

Akademi Award: Hindustani Instrumental Music (Sitar)

पश्चिम बंगाल के कोलकाता में 20 अगस्त 1959 को जन्मे, श्री कुशल कुमार दास ने श्री शैलेंद्र कुमार दास से संगीत का प्रारम्भिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में, श्री शांतनु प्रसाद दास, श्री अजय सिन्हा रॉय, श्री मानस चक्रवर्ती और श्री रामकृष्ण बसु जैसे गुरुओं के संरक्षण में अपनी सितार वादन कला को निखारा। श्री कुशल दास ने श्री संजय बंद्योपाध्याय से सुरबहार भी सीखा है। आपका सम्बंध सेनिया मैहर घराने से है।

आप आकाशवाणी के 'ए' श्रेणी के कलाकार हैं। आपने देश–विदेश में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आप ढाका स्थित बंगाल फाउंडेशन में वरिष्ठ गुरु (2017–2020) रहे हैं और ऐसे ही अन्य सांस्कृतिक संस्थानों से भी जुड़े रहे हैं। आपने बहुत से छात्रों को प्रशिक्षित किया है। देश–विदेश में संगीत पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आपके संगीत वादन की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध हैं।

हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको देश–विदेश के कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें सुर मणि संसद, मुंबई द्वारा प्रदान किया गया सुरमणि पुरस्कार भी शामिल है।

श्री कुशल कुमार दास को हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार) में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 20 August 1959 at Kolkata in West Bengal, Shri Kushal Kumar Das received his training in music from Shri Sailendra Kumar Das and later groomed his art of Sitar under the tutelage of Shri Santanu Prasad Das, Shri Ajoy Sinha Roy, Shri Manas Chakraborty and Shri Ramkrishna Basu. Shri Kushal Das also learnt Surbahar from Shri Sanjoy Bandyopadhyay. He belongs to the Senia Maihar gharana.

An 'A' grade artist of All India Radio, he has performed in many prestigious music festivals in India and abroad. He has been associated with various cultural institutions such as Senior Guru at Bengal Foundation at Dhaka (2017-2020). He has trained many students, and has conducted many seminars and workshops on music in India and abroad. Shri Kushal Das has many recordings to his credit.

For his contribution in the field of Hindustani music, he has been honoured with many prestigious titles and awards from various prestigious cultural institutions around the world such as the Sur Mani conferred by the Sur Singar Samsad, Mumbai.

Shri Kushal Kumar Das receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for his contribution to Hindustani instrumental music.